पाठ 6. ऐसे थे बहादुर (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में अंतर-वैयक्तिक संबंध का कौशल विकसित करना है ताकि वे विभिन्न व्यक्तियों व प्राणियों से सकारात्मक तरीके से जुड़ने की समझ पैदा कर सकें। यह पाठ मौखिक पठन के लिए है। इसमें देश के महान नेता स्वर्गीय लालबहादुर शास्त्री के जीवन से संबंधित तथ्यों का वर्णन किया गया है। इनसे हम प्रेरणा लेकर जीवन में सफल मानव बन सकते हैं।

अध्यापन संकेत

यह पाठ लाल बहादुर शास्त्री के बचपन से संबंधित है। मौखिक वाचन के क्रम में सच्चाई, सादगी, दृढ़निश्चय, आदि सद्गुणों की चर्चा करें। कुछ बच्चों से इस पाठ से संबंधित प्रश्नों का निर्माण करने को कहें। अन्य बच्चे उन प्रश्नों का मौखिक उत्तर दें। यह कार्य एक क्रियाकलाप के रूप में भी संपन्न कराया जा सकता है।